वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :3 अंक : 74 | बुधवार 12 जुलाई 2023 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

गीतांजली यूनिवर्सिटी कोन्वोकेशन 2023 सम्पन्न

मानवीय संवेदना डॉक्टर के जीवन का सबसे अहम भाव: ओम बिरला

उदयपुर. शाबाश इंडिया

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने आज उदयपुर के गीतांजली विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में उत्कृष्ट प्रदर्शन के साथ चिकित्सा व नर्सिंग शिक्षा पूर्ण करने वाले प्रतिभावान विद्यार्थियों को सम्मानित किया। इस अवसर पर उन्होंने विद्यार्थियों से कहा कि ज्ञान प्राप्ति की आकांक्षा सदैव हृदय में रखें, यह तृष्णा ही भारतीय युवाओं को विश्व में श्रेष्ठ बनाती है। बता दें, गीतांजली यूनिवर्सिटी कोन्वोकेशन- 2023 यूनिवर्सिटी के नर्मदा देवी अग्रवाल ऑडिटोरियम में मंगलवार को हुआ। मुख्य अतिथि लोकसभा स्पीकर ओम बिरला, विशिष्ट अतिथि पूर्व एम्स(नई दिल्ली) डायरेक्टर पदम श्री डॉ. रणदीप गुलेरिया और गीतांजली ग्रुप चेयरमैन व चांसलर जे. पी. अग्रवाल ने शुभारंभ किया। इस मौके पर वाइस चेयरमैन कपिल अग्रवाल, एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर अंकित अग्रवाल, गीतांजली यूनिवर्सिटी वाईस चांसलर डॉ. एफ एस. मेहता, रजिस्ट्रार मयूर रावल के साथ उपस्थित थे। कार्यक्रम का आगाज सरस्वती वंदना और दीप प्रज्वलन के बाद अतिथि सत्कार से हुआ।

इसके बाद अंकित अग्रवाल ने कोन्वोकेशन

के लिए एकत्रित हुए सभी विधार्थियों व उनके माता-पिता का स्वागत किया। कार्यक्रम की अगली कड़ी और प्रमुख आकर्षण में मुख्य अतिथि ओम बिरला, विशिष्ट अतिथि डॉ. रणदीप गुलेरिया, चांसलर जे.पी. अग्रवाल ने गीतांजली यूनिवर्सिटी के एमबीबीएस, फामेर्सी, नर्सिंग, डेंटल, फिजियोथेरेपी के 42 गोल्ड मेडल्स एवं 511 ग्रेजुएट्स, पोस्ट ग्रेजुएट व पीएचडी स्टूडेंट्स को डिग्रियां प्रदान की।

रिपोर्ट/फोटो : राकेश शर्मा 'राजदीप'

डॉ. एफ एस मेहता ने पेश की वार्षिक रिपोर्ट

इस अवसर पर डॉ. सुनंदा गुप्ता, डॉ. ए.के. गुप्ता एवं डॉ.अब्बास अली सैफी को चिकित्सा क्षेत्र में अपूर्व योगदान के लिए सम्मानित किया गया। अगले चरण में डॉ. एफ एस मेहता ने वार्षिक रिपोर्ट पेश की। जिसमें गीतांजली यूनिवर्सिटी में होने वाली रिसर्च, स्पोर्ट्स, स्टाफ ओवरव्यू, उपलब्धियां और गीतांजली हॉस्पिटल की अत्याधुनिक सेवाओं के बारे में विस्तार से बताया। इसके बाद चांसलर ने गीतांजली यूनिवर्सिटी की सभी फैकल्टी को धन्यवाद ज्ञापित करते उपस्थित समस्त विद्यार्थियों को मानव सेवा और निष्ठा भाव की शपथ ग्रहण करवाई। मुख्य अतिथि ओम बिरला ने कहा कि मेडिकल स्टूडेंट को पूरी जिन्दगी अध्ययन, अध्यापन और शोध करना पड़ता है। एक अच्छा विद्यार्थी वही होता है जो स्वयं को देश व सामज के लिए समर्पित कर दे। उन्होंने कहा कि मानवीय संवेदना डॉक्टर के जीवन में सबसे अहम और महत्त्वपूर्ण भाव हैं।

अच्छे कार्यों को करने से अतीत समाप्त हो जाता है : सुधासागर महाराज

आज की युवा पीढ़ी को सीख देते हुए कहा कि यदि किसी बेटे ने ऐसा कार्य किया जिससे माता पिता को दुख भोगना पड़ा तो उसके माता पिता को जो दुख होगा तो बद्दुआ देंगे।

आगरा. शाबाश इंडिया

पूज्य निर्यापक श्रमण मुनि श्री 108 सुधासागर महाराज ने एम डी जैन हरी पर्वत पर अपने मंगल प्रवचन में कहा कि अच्छे कार्य करने से अतीत समाप्त हो जाता है। इतिहास को जब हम पढ़ते हैं तो सब काला है। और स्वयं ग्लानि होती है वो इतिहास निकृष्ट होता है।

भगवान महावीर स्वामी के जीवन के विषय में बताया कि उन्होंने इतने दोष किए थे कि हमे वो नजर ही नहीं आते हैं। क्योंकि उन्होंनें भगवान स्वरूप प्राप्त किया हैं। भगवान महावीर ने इतने उपकार हम पर कर दिये उनके पुराने इतिहास सब समाप्त हो गये।

पूज्य महाराज श्री ने मार्मिक शब्दों में कहा कि गर्भस्थ शिशु बेटा जब माँ के पेट में आता है तो वो पुरा कैमरे के जैसे ध्यान

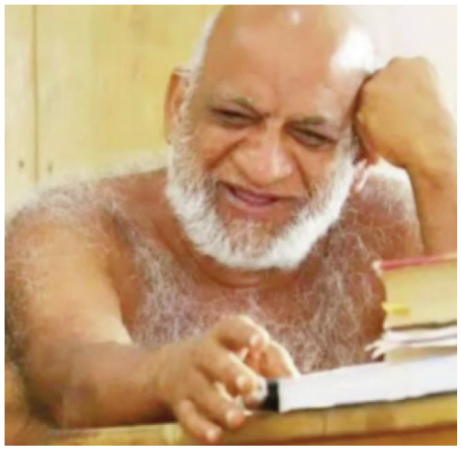

रखता है क्या भोजन मां कर रही है क्या देख रही है क्या सोच रही हैं वो सब गृभस्थ शिशु देख रहा है महसुस कर रहा है यदि मां बनने के बाद माता पिता कोई गलती करते हैं तो उसकी बड़ी सजा बच्चे को मिलती है। यदि ऐसी गलती करते हो तो भव भव में माता पिता बनने के लिए तरसोगे, यदि मां ने गलत खाया, बेटा भी वह कार्य करेगा। देखा जाए तो एक न एक दिन वो भी वह कार्य करेगा। आज की युवा पीढ़ी को सीख देते हुए कहा कि यदि किसी बेटे ने ऐसा कार्य किया जिससे माता पिता को दुख भोगना पड़ा तो उसके माता पिता को जो दुख होगा तो बद्दुआ देंगे। मां बाप का मस्तक झुक जाये, शर्मिंदा हो जाए, मां बाप के अंदर ये भाव आ जाये कि ऐसा बेटा होने के बजाए तो निपुता रह जाते तो अच्छा रहता तो ऐसों के बच्चे अनाथ होगें और त्रियंच योनी में जाएंगे।

संकलन अभिषेक जैन लुहाड़िया रामगंजमंडी

'टूटी कुर्सी'

डॉ. कांता मीना
शिक्षाविद् एवं साहित्यकार

किराए के मकान में रहते रहते रामास्वामी को कई वर्ष हो गए थे अब बच्चे भी बड़े हो गए थे और जिद करने लगे कि क्यों ना नया स्थाई घर खरीद लिया जाए। कब तक इधर से उधर गृहस्थी के सामान को ढोते रहेंगे। घर में सदस्यों की संख्या भी तो बढ़ रही है। रामास्वामी जी ने घर तलाशना शुरू कर दिया था जैसे तैसे उनके बजट में एक वर्षों पुराना मकान हाथ आ गया था। चार कमरों का मकान था,आगे खुला बरामदा। खुला-खुला घर ठीक वैसा ही जैसा रामास्वामी चाहते थे। अपने दोनों बेटों से बोले तुम सुबह मेरे साथ चलना नए घर की सफाई करने बेटे अपने पिता की आज्ञाकारी संतान थे। पिताजी के आदेशों की सदा पालना करते थे। रामास्वामी की पत्नी ने कहा कि आप कहें तो मैं भी चलती हूं । थोड़ी मदद हो जाएगी पर रामास्वामी जी ने ना कर दिया और बोले तुम बैठो अपनी खटिया पर बहू के साथ। हम तीनों ही साफ कर आएंगे वैसे घर ज्यादा गंदा नहीं है। वह तो काफी समय से बंद है। धूल मिट्टी ही तो है एक दो पानी की बाल्टी डाल देंगे और सब कुछ स्वच्छ हो जाएगा। धर्मपत्नी जी ने कहा ठीक है। अल सुबह ही बेटों के साथ पहुंच गए घर को साफ करने। लंबा सा पाईप लिया और लगे घर के आंगन को साफ करने । सारे घर को साफ करने के बाद रामास्वामी के बेटे बोले बाबूजी ऊपर की छत पर एक स्टोर रूम है, उसे भी साफ कर देते तो अच्छा होता। जो सामान उपयोग में नहीं आएगा उसे स्टोर रूम में रख देंगे। रामास्वामी ने कहा ठीक है और पहुंच गए अपने हाथ में पाईप और सर्फ की थैली लेकर । बच्चों ने ज्यों ही स्टोर रूम खोला उसमें एक लकड़ी की कुर्सी थी। उसे लड़कों ने ज्यों ही बाहर निकाला रामास्वामी की नजर में वो कुर्सी ना जाने ऐसा क्या जादू कर गई उसे बिना साफ किए ही उस पर बैठ गए। बेटे तपाक से बोले बाबूजी जरा संभलकर ना जाने कितनी गंदी है कही आपके कपड़े मैले ना हो जाएं। पर बाबूजी तो फटाफट बैठ गए। और बैठते ही बोले अरे यह क्या यह तो थोड़ी बहुत हिल रही है। बेटों ने देखा आगे के दोनों पाये तो मजबूत थे लेकिन पीछे के पाये थोड़े कमजोर से लग रहे थे। और एक पाया तो थोड़ा रगड़ खाने की वजह से थोड़ा सा घिस गया था। शायद इसलिए कुर्सी का संतुलन बैठ नहीं पा रहा था। रामास्वामी के बड़े बेटे ने कहा की बाबूजी ये तो काफी खराब है। मैं आपके लिए नई कुर्सी बनबा दूंगा पर रामास्वामी बोले इसमें क्या खराबी है ठीक है वैसे भी मुझे कौन सा अजर अमर का वरदान मिला है। बेटे के हाथ से पानी का पाईप लिया और थोड़ा सा सर्फ लेकर पानी और सर्फ से कुर्सी को धो डाला। दोनों बेटों को उनकी यह बात कुछ अजीब सी लगी। पर अपने पिता से बोलने की हिम्मत नहीं हुई। कुर्सी को लेकर नीचे आ गए और रामस्वामी के कहे अनुसार उसे बरामदे में रख दिया। पुराने घर से नए घर में गृहस्थी का सामान सब व्यवस्थित कर दिया गया था। ज्यों ही रामास्वामी उस कुर्सी पर बैठते वो थोड़ी बहुत आवाज करती। पर अपने स्वभाव के कारण उस पर बैठे रहते। दिन बीतते गए एक दिन रामास्वामी ने अपनी पत्नी से कहा थोड़ा कमर में दर्द रहने लगा है। तभी बहु चाय लेकर आ गई और बोली बाबूजी डॉक्टर को दिखा लेते हैं । रामास्वामी ने कहा आराम करूंगा तो ठीक हो जाएगा। पर लंबे समय तक कुर्सी पर बैठे रहने से दर्द और बढ़ने लगा। कुर्सी का मोह था की जा ही नहीं रहा था। फिर एक दिन बच्चों से खेलते समय कुर्सी गिर गई जिससे कुर्सी का एक पाया नीचे से थोड़ा सा टूट गया। अब तो बेटो को लगा कि बाबूजी इस कुर्सी को छोड़ देंगे। बड़े बेटे ने कहा बाबूजी नई कुर्सी ला देता हूं पर बाबूजी ने कहा अरे कुछ नही अभी तो ये और चलेगी और बाहर से लकड़ी के दो टुकड़े लाएं और कुर्सी के नीचे रख दिए,अब तो कुर्सी और डगमगाने लगी। पीछे से बहु ने कुर्सी संभाल ली और बोली बाबूजी अभी तो आप गिर जाते। बेटों ने बाबूजी से कहा की अब तो आप इस टूटी कुर्सी का मोह छोड़ दीजिए। जब जब कुर्सी आवाज करती है और हिलती तो बेटों का दिल बैठ सा जाता पर बाबूजी की जिद के आगे किसी की हिम्मत नहीं होती दूसरी ओर बाबूजी थे कि मानने को तैयार ही नहीं थे।

नेत्र चिकित्सा शिविर का आयोजन

जयपुर. शाबाश इंडिया। श्री राम आशापूरण चैरिटेबल ट्रस्ट एवं सशक्तिकरण ग्रुप द्वारा नेत्र चिकित्सा शिविर निदान सेवा संस्थान के सहयोग से गोल्डन आई हॉस्पिटल डॉ. चित्रा जैन व उनकी टीम जयपुर द्वारा श्री दिगंबर जैन मंदिर वरुण पथ मानसरोवर में निशुल्क नेत्र चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। इसमें पधारे हुए आगंतुकों का बी पी और शुगर का टेस्ट का किया गया। श्री राम आशापुरन चैरिटेबल ट्रस्ट के ट्रस्टी नवीन भंडारी पार्षद दामोदर शर्मा, विकास सक्सेना, अध्यक्षा सुशीला छाबड़ा, रतन सोगानी, रेनू जैन, उषा भण्डारी, शैलबाला शाह, डॉक्टर और पधारे हुए आगंतुका का सशक्तिकरण ग्रुप की संरक्षक विजिया कोठारी ने तिलक लगाकर व दुपट्टा पहनाकर स्वागत किया और सभी का आभार व्यक्त किया गया।

प्रतिभावान बच्चो का सम्मान कर बढ़ाया उत्साह

अनिल पाटनी. शाबाश इंडिया

अजमेर। श्री दिगंबर जैन महासमिति एवम श्री दिगंबर जैन महासमिति महिला एवम युवा महिला संभाग अजमेर द्वारा दिगंबर जैन समाज के सी ए की परीक्षा में उत्तीर्ण होने वाले प्रतिभावान अतिशय जैन,तन्मय जैन,यश जैन एवम अभिनव जैन सम्मानित का तिलक लगाकर, माल्यार्पण करते हुए तुलसी का पोधा भेंट किया गया एवम स्मृति चिन्ह भेंट करते हुए बधाई शुभ कामनाएं प्रेषित की गई। दिगंबर जैन महासमिति की राष्ट्रीय कार्यकारिणी के सदस्य अजमेर के महामंत्री कमल गंगवाल ने बताया कि समिति अध्यक्ष अतुल पाटनी के नेतृत्व में एवम राष्ट्रीय कार्याध्यक्ष मधु पाटनी के आथित्य में सम्मानित करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की गई। महिला संभाग मंत्री सरला लुहाड़िया ने जानकारी दी कि इस अवसर पर सम्मानित होने वाले बच्चो के अभिभावक सुभाष बड़जात्या, प्रवीण पाटोदी, नरेंद्र गोधा एवम अंजु गोधा समिति संरक्षक राकेश पालीवाल विजय पांड्या आदि मोजूद रहे। इससे पूर्व सम्मानित छात्रों ने शैक्षणिक कार्य के दौरान मिले अपने अनुभव सभी से शेयर किए। इस अवसर पर अतुल पाटनी व कमल गंगवाल ने कहा कि महासमिति द्वारा समाज के क्षेत्र में सभी प्रतिभावान छात्रों को उनके फील्ड में किए गए कार्यों के लिए भी सम्मानित किया जाएगा। अंत में युवा महिला संस्थापक अर्चना गंगवाल ने सभी के प्रति आभार ज्ञापित किया। बधाई देने वालों में पाटनी, गंगवाल सहित ताराचंद सेठी, राजेंद्र पाटोदी, मनीष पाटनी, अनिल पाटनी, अमित वेद, संजय कुमार जैन, दीपक पटवा, दीपक दोषी,अमित वेद, सुनील दोषी, पीयूष जैन, मनीष अजमेरा, सोनिका भैसा, रेणु पाटनी, शिखा बिलाला, निर्मला पांड्या, सुषमा पाटनी, मंजु ठोलिया, अनिता बडजात्या, रिंकु कासलीवाल आदि ने अहम भूमिका निभाई।

भारत भ्रमण हेतु अयोध्या तीर्थ प्रभावना रथ का हुआ प्रवर्तन

पावन भूमि अयोध्या में अति सुन्दर बने इस रथ पर अयोध्या में जन्मे पांच तीर्थंकरों की प्रतिमाएं स्टेचू रूप में लगाई गई हैं। साथ ही जन्मभूमि के प्रतीक में स्वर्णिम पालना भी स्थापित है, जिसमें 2 कल्याणकों से पवित्र भगवान ऋषभदेव की वस्त्राभूषणों से सजी-धजी प्रतिमा को स्थापित किया गया है।

अयोध्या. शाबाश इंडिया

आज का दिन दिगम्बर जैन समाज के लिए एक ऐतिहासिक दिवस सिद्ध हुआ, जब शाश्वत तीर्थंकर जन्मभूमि अयोध्या से गणिनीप्रमुख आर्यिका श्री ज्ञानमती माताजी के करकमलों द्वारा 'भगवान ऋषभदेव जन्मभूमि अयोध्या तीर्थ प्रभावना रथ' का प्रवर्तन भारत भ्रमण के लिए किया गया। श्रावण कृ. नवमी, दिनांक 11 जुलाई 2023 को शुभ मुहूर्त में मध्यान्ह 12.15 से 1.30 बजे के मध्य समारोहपूर्वक इस रथ का प्रवर्तन किया गया। पावन भूमि अयोध्या में अति सुन्दर बने इस रथ पर अयोध्या में जन्मे पांच तीर्थंकरों की प्रतिमाएं स्टेचू रूप में लगाई गई हैं। साथ ही जन्मभूमि के प्रतीक में स्वर्णिम पालना भी स्थापित है, जिसमें 2 कल्याणकों से पवित्र भगवान ऋषभदेव की वस्त्राभूषणों से सजी-धजी प्रतिमा को स्थापित किया गया है। इसके साथ ही भगवान ऋषभदेव की एक प्रतिष्ठित चल प्रतिमा भी रथ में स्थापित की गई है। ऐसे स्वर्णिम रथ का प्रवर्तन पूरी साज-सज्जा के साथ पूज्य गणिनीप्रमुख श्री ज्ञानमती माताजी के करकमलों द्वारा केशर से स्वस्तिक बनाकर भारत भ्रमण हेतु किया गया। इस अवसर पर धर्मचक्र लेकर रथ में बैठने का सौभाग्य सौधर्म इन्द्र बने प्रकाशचंद जैन लाडनू वालों ने प्राप्त किया। रत्नवृष्टि हेतु धनकुबेर का सौभाग्य श्याम सुन्दर अग्रवाल-मुम्बई ने प्राप्त किया एवं भगवान की मंगल आरती का सौभाग्य राजेन्द्र प्रसाद कमल कुमार इन्द्र कुमार जैन-कटक ने

प्राप्त करके पुण्य अर्जित किया। इस रथ प्रवर्तन के अवसर पर भगवान के प्रथम पालना झुलाने का सौभाग्य विजय कुमार जैन-निमियाघाट ने प्राप्त किया। इस प्रकार बाजे-गाजे के साथ यह रथ भगवान ऋषभदेव जन्मभूमि दिगम्बर जैन मंदिर, बड़ी मूर्ति, अयोध्या से जुलूसपूर्वक निकाला गया। आगे इस रथ का प्रवर्तन एक सप्ताह तक उत्तरप्रदेश में होगा, जिसमें दिनांक 12 जुलाई को प्रातः टिकैतनगर एवं सायं दरियाबाद में, 13 जुलाई को प्रातः तहसील फतेहपुर एवं सायं बिलहरा व पैतेपुर में, 14 जुलाई को महमूदाबाद में, पुनः 15 जुलाई को सिधौली व 16 जुलाई को बाराबंकी होते हुए लखनऊ एवं कानपुर के रास्ते यह रथ राजस्थान में प्रवेश करेगा। मुख्यरूप से वर्तमान में यह रथ 20 जुलाई को तिजारा जी अतिशय क्षेत्र से सम्पूर्ण राजस्थान प्रदेश के लिए प्रवर्तित किया जायेगा। राजस्थान प्रदेश के भ्रमण हेतु अध्यक्ष के रूप में रमेश जैन तिजारिया-जयपुर, महामंत्री राजकुमार जैन कोठारी-जयपुर एवं राजस्थान प्रदेश संयोजक के रूप में राष्ट्रीय महामंत्री अखिल भारतवर्षीय दिगंबर जैन युवा परिषद उदयभान जैन-जयपुर एवं राजस्थान प्रदेश अध्यक्ष दिलीप जैन-जयपुर को कार्यभार सौंपा गया है। इस रथ के प्रवर्तन में प्रतिष्ठाचार्य पं. सतेन्द्र जैन-तिवरी के निर्देशन में प्रतिदिन रथ के कार्यक्रम सम्पन्न होंगे। रथ की समस्त संयोजना श्री दिगम्बर जैन अयोध्या तीर्थक्षेत्र कमेटी द्वारा सम्पन्न की जाएगी। कमेटी द्वारा इस अवसर पर रथ में सेवाएं देने वाले संयोजकगण प्रतिष्ठाचार्य विजय कुमार जैन, डॉ. जीवन प्रकाश जैन, प. अजित शास्त्री, टीकमगढ़ व मैनेजर मिलेश जैन आदि सभी कार्यकर्ताओं का भी सम्मान किया गया।

माताजी का मार्गदर्शन

समस्त रथ के भ्रमण हेतु प्रज्ञाश्रमणी आर्यिका श्री चंदनामती माताजी का मार्गदर्शन एवं कमेटी अध्यक्ष स्वस्तिश्री रवीन्द्रकीर्ति स्वामीजी का कुशल निर्देशन प्राप्त हो रहा है। आज के उद्घाटन अवसर पर विशेषरूप से कार्याध्यक्ष अनिल कुमार जैन-प्रीतविहार, दिल्ली, महामंत्री-अमरचंद जैन-टिकैतनगर, कोषाध्यक्ष ऋषभ जैन-तह. फतेहपुर के साथ ही जितेन्द्र जैन 'लल्ला'-तह. फतेहपुर, तेजकुमार जैन-बाराबंकी, परमेन्द्र जैन-टिकैतनगर, निधेश जैन-टिकैतनगर आदि अनेक स्थानों से भक्तों ने उपस्थित रहकर इन ऐतिहासिक क्षणों के साक्षी बनने का सौभाग्य अर्जित किया।

दि .जैन सोशल ग्रुप नवकार की धार्मिक यात्रा संपन्न

जयपुर. शाबाश इंडिया। दिगंबर जैन सोशल ग्रुप नवकार की धार्मिक यात्रा संपन्न हुई। अध्यक्ष, मोहनलाल गंगवाल ने अवगत कराया कि दिगंबर जैन सोशल ग्रुप नवकार के 62 सदस्यों द्वारा जबलपुर अमरकंटक, कुंडलपुर, द्रोणागिरी एवं नैना गिरी की धार्मिक यात्रा की गई । यात्रा के दौरान 5 जुलाई को जबलपुर स्टेशन पर संस्कार धानी ग्रुप के सम्मानीय पदाधिकारियों द्वारा ग्रुप की अगवानी की गई एवं ग्रुप के सभी सदस्यों का माल्यार्पण कर स्वागत किया गया। यात्रा के दौरान विजय कुमार पांड्या - स्नेहलता पांड्या एवं दीनदयाल गर्ग - शशि गर्ग की वैवाहिक वर्षगांठ बड़ी धूमधाम से मनाई गई। कार्याध्यक्ष, सुरेश जैन बांदीकुई द्वारा सभी स्थानों पर ठहरने की व्यवस्था बहुत शानदार करवाई गई। राजेंद्र कुमार बाकलीवाल, अनिल कुमार गोधा, ज्ञानचंद बिलाला, सुरेश कुमार बज, ज्ञानचंद गंगवाल द्वारा व्यवस्था में पूरा सहयोग किया गया। कौशल्या जैन, रानी पाटनी, साधना गोधा, अलका जैन आदि महिलाओं द्वारा फिल्मी गीतों एवम् भजनों पर नृत्य प्रस्तुत कर भरपूर मनोरंजन किया गया। सभी यात्रियों द्वारा सफलतम एवं आराम दायक यात्रा की तारीफ की गई। अध्यक्ष,मोहनलाल गंगवाल, कार्याध्यक्ष, सुरेश जैन बांदीकुई, वरिष्ठ उपाध्यक्ष, राजेन्द्र बाकलीवाल, कोषाध्यक्ष, कैलाश चन्द सेठी द्वारा सभी सदस्यों का माल्यार्पण कर धन्यवाद ज्ञापित किया गया।

वेद ज्ञान

सबसे भ्रातृ भाव से व्यवहार रखने वाला ही सच्चा मनुष्य

किसी विचारक ने मनुष्यों और मानवेतर जीवों के बीच तुलना करते हुए यह कहा है कि सामान्यतः मनुष्यों और अन्य जीवों के बीच कोई बड़ा भेद इसलिए नहीं है; क्योंकि आहार, निद्रा, भय और मैथुन में जैसी प्रवृत्ति मानवेतर जीवों में होती है ठीक वैसी ही प्रवृत्ति मनुष्यों में भी होती है। वे तो यहां तक कहते हैं कि मनुष्य की अपेक्षा पशु-पक्षी आदि कामादि वृत्तियों में अधिक संयमित होते हैं। इसलिए मनुष्य तभी तक श्रेष्ठ है जब तक वह मनुष्यता से मंडित है। मनुष्यता किसे कहते हैं, इस विषय में भारतीय विचार परंपरा में विस्तार से प्रकाश डाला गया है जिसमें यह कहा गया है कि सच्चा मनुष्य वह है जो सभी के प्रति भ्रातृ-भाव से व्यवहार करता है। इसमें न वह वर्ण का विचार करता है और न धनी या गरीब का विचार करता है। सभी से सभी समय ऐसे हिल-मिल कर रहता है जैसे कोई अपने सगे भाई के साथ रहता है। सभी की आपत्ति-विपत्ति में साथ खड़ा रहता है और आवश्यकता पड़ने पर सभी की भरपूर मदद करता है। सामान्यतः मनुष्य की यह प्रवृत्ति देखी जाती है कि वह प्रायः अपने में ही मस्त रहता है। दूसरे का सुख-दुख देखने का या तो उसे विचार नहीं आता अथवा ऐसा करने का उसके पास समय नहीं होता, पर यह तो पशु-प्रवृत्ति है जो सच्चा मनुष्य है वह अपने आस-पास यह देखता कि कोई आपत्तिग्रस्त तो नहीं है। कोई भूखा और दुखी तो नहीं है। यदि उसे ऐसा कोई दिखाई देता है तो वह कोई विलंब किए बगैर शीघ्र ही अभाव ग्रस्त व्यक्ति की अपनी सामर्थ्य के अनुसार सहायता करता है। यही मनुष्यता है। यद्यपि सहजभाव से मनुष्य में किसी के द्वारा अपने प्रति किए गए दुर्व्यवहार पर क्रोध आता है इसलिए इसके मन में भी दुर्व्यवहार करने वाले का अपकार करने की इच्छा जाग्रत होती है, किंतु मनीषियों का यह कहना है कि यह वृत्ति भी पशु-वृत्ति है। इसलिए जो मानवीय स्वभाववाला व्यक्ति है वह कभी भी अपने प्रति किए गए दुर्व्यवहार का उत्तर दुर्व्यवहार करके नहीं देता। मनुष्यता के स्वभाव वाला व्यक्ति अपने सद्भाव से ही दुर्व्यवहारी के मन को जीतता है और सदा दुर्व्यवहार करने वाले के साथ सद्व्यवहार ही करता है। मनुष्यता का एक बहुत बड़ा स्वभाव है जीवन में सत्य का आश्रय लेकर चलना।

संपादकीय

देश में शिक्षा में सुधार के लिए प्रयास

देश में शिक्षा के प्रसार के लिए समय-समय पर अनेक कार्यक्रम और अभियान चलाए गए और इसी का परिणाम है कि अब ज्यादातर बच्चे औपचारिक शिक्षा के दायरे में आ गए हैं। मगर इसी के समांतर इस बात की जरूरत भी महसूस की गई कि पढ़ाई-लिखाई के दायरे के विस्तार के साथ-साथ उसमें गुणवत्ता एक अहम पहलू है और इसे सुनिश्चित किए बिना शिक्षा के प्रसार की कोई खास अहमियत नहीं रह जाएगी। इसलिए खासकर स्कूली शिक्षा में गुणवत्ता की समय-समय पर जांच के लिए कुछ मानक तय किए गए और उसके मुताबिक इस बात की पड़ताल की जाती है कि किस राज्य ने लक्ष्य तक पहुंचने के लिए कितनी मेहनत की। स्कूली शिक्षा सूचकांक तैयार करने की इसी व्यवस्था के तहत केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय के स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग ने जो ताजा 'ग्रेडिंग' सूचकांक जारी किया है, उसमें पंजाब और चंडीगढ़ ने बेहतर प्रदर्शन तो किया है, लेकिन कोई भी राज्य या फिर केंद्र शासित प्रदेश तय दस श्रेणियों में से शीर्ष पांच हासिल नहीं कर पाए। यानी कहा जा सकता है कि शिक्षा में गुणवत्ता को लेकर देश के सभी राज्यों में स्थिति अभी संतोषजनक नहीं है। दरअसल, सभी राज्यों में पंजाब और केंद्र शासित प्रदेश चंडीगढ़ भी जितना हासिल करने में सक्षम हो सके हैं, उसे अधूरी कामयाबी कहा जा सकता है। तय मानकों में इन्हें अभी लंबा सफर तय करना है। गौरतलब है कि सन 2017 में शुरू किए गए इस प्रदर्शन ग्रेडिंग सूचकांक में दस ग्रेड तय किए गए हैं। इसके आधार पर भारत के राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों की शिक्षा के क्षेत्र में प्रदर्शन की स्थिति का आकलन किया जाता है। इसका मकसद शिक्षा के मामले में राज्यों का ध्यान निवेश से परिणाम की ओर स्थानांतरित करने के अलावा लगातार वार्षिक सुधारों के लिए मानक तय करना, गुणवत्ता में सुधार, सबसे बेहतर साधनों को साझा करना और राज्य के नेतृत्व वाले नवाचार के प्रयोगों को प्रोत्साहित करना है। इसमें खासतौर पर यह सुनिश्चित करने की कोशिश की गई है कि इस संबंध में किए गए कार्यों का नतीजा क्या सामने आ रहा है और उसका प्रबंधन कैसे किया जा रहा है। यों भी अगर किसी कार्यक्रम के सालों साल चलते रहने के बावजूद उसकी गुणवत्ता में सुधार नहीं होता है तो उसका कोई सकारात्मक परिणाम सामने नहीं आ सकता। हालांकि देश में शिक्षा की सूरत में सुधार के लिए लंबे समय से प्रयास चलते रहे हैं। कई ठोस कार्यक्रम भी लागू किए गए, लेकिन हकीकत यह है कि सबसे बेहतर संसाधन वाले राज्यों में भी उम्मीद के अनुरूप नतीजे हासिल नहीं किए जा सके हैं। दरअसल, किसी कार्यक्रम के संचालित करने के समांतर गुणवत्ता के स्तर पर लगातार बेहतरी लाना एक अनिवार्य कसौटी होनी चाहिए।

परिदृश्य

केंद्रीय बलों की तैनाती का प्रस्ताव

पश्चिम बंगाल में राजनीति और हिंसा इस कदर एक-दूसरे से नालबद्ध हो चुके हैं कि वहां कोई मामूली चुनाव भी बिना मारपीट, गोलीबारी, हत्या के संपन्न नहीं हो पाता। वहां के पंचायत चुनावों में मतदान के दिन बड़े पैमाने पर हुई हिंसा इसका ताजा उदाहरण है। जब चुनाव की तारीख घोषित और नामांकन की प्रक्रिया शुरू हुई थी, तभी से हिंसा का सिलसिला शुरू हो गया था। इन चुनावों में बड़े पैमाने पर हिंसा की आशंका जताई जा रही थी, जिसके मद्देनजर व्यापक सुरक्षा व्यवस्था पर जोर दिया गया। केंद्रीय बलों की तैनाती का प्रस्ताव रखा गया था, जिसे लेकर वहां के उच्च न्यायालय में भी मामला गया था। आखिरकार उच्च न्यायालय ने केंद्रीय बलों की तैनाती को मंजूरी दे दी थी। इसके तहत राज्य इकाई के सत्तर हजार सुरक्षा कर्मी और केंद्रीय बलों की छह सौ कंपनियां तैनात की गई थीं। इसके बावजूद इतने बड़े पैमाने पर हिंसा हो गई, जिसमें बारह से अधिक लोग मारे गए और बहुत सारे घायल हो गए। अब राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप का सिलसिला शुरू हो गया है। यह चुनाव नतीजे आने के बाद भी चलता रहेगा। निर्वाचन आयोग पर आरोप लगाए जा रहे हैं कि उसने सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम क्यों नहीं किए कि इस तरह की हिंसक घटनाएं हो गईं। पश्चिम बंगाल में राजनीतिक हिंसा एक सतत प्रक्रिया बन चुकी है। राजनीतिक दलों के कार्यकर्ताओं के बीच लगातार दलगत संघर्ष देखा जाता है। चुनावों के वक्त वह सतह पर आ जाता है और वे बदले की भावना से एक दूसरे पर जानलेवा हमले करने से परहेज नहीं करते। एक चुनाव की वैमनस्यता दूसरे चुनाव तक बनी रहती है। विधानसभा चुनाव की वैमनस्यता पंचायत चुनाव में और पंचायत चुनाव की वैमनस्यता लोकसभा चुनाव में प्रकट होती रहती है। हालांकि यह प्रवृत्ति इसी सरकार के समय की नहीं है। जब वहां वाम दलों की सरकार थी, तब भी ऐसी हिंसक घटनाएं होती थीं। मगर इस आधार पर मौजूदा सरकार की कानून-व्यवस्था संबंधी खामियों को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। वाम दलों की करीब तीस सालों की सतत सत्ता के बावजूद वहां न लोगों के जीवन स्तर में कोई उल्लेखनीय सुधार नजर आया, न कानून-व्यवस्था भरोसेमंद हो पाई, तब लोगों ने सत्ता परिवर्तन का मन बनाया था और उम्मीद की जा रही थी कि ममता बनर्जी उन अपेक्षाओं पर खरी उतरेंगी। मगर निराश करने वाली बात है कि कानून-व्यवस्था में कोई सुधार नजर नहीं आया। ममता बनर्जी ने भी राजनीतिक हिंसा की परिपाटी को उसी तरह पोसा है, जिस तरह वाम दलों ने पोसा था। वे अपने कार्यकर्ताओं की आपराधिक गतिविधियों के बचाव में खुद थाने में जाती देखी गई हैं। इससे स्पष्ट संकेत गया कि पुलिस प्रशासन सत्तापक्ष के कार्यकर्ताओं की बेजा हरकतों को नजरअंदाज करे। पिछले लोकसभा और विधानसभा चुनावों में भी इसीलिए बड़े पैमाने पर हिंसा हुई थी कि सत्तापक्ष के कार्यकर्ताओं को प्रशासनिक संरक्षण प्राप्त था। अब पश्चिम बंगाल में स्थिति यह है कि प्रतिद्वंद्वी राजनीतिक दल भी अपने कार्यकर्ताओं को इसी तरह तैयार करते हैं। हिंसा के बल पर अगर मतदाताओं को अपने पक्ष में करके चुनाव जीत भी लिया जाए, तो आखिर लोकतंत्र कहां बचा रहता है।

भारत गौरव गणिनी आर्यिका विज्ञा श्री माताजी के 29वें पावन वर्षायोग 2023 की हर्षोल्लास से हुई श्री दिगम्बर जैन सहस्त्रकूंट विज्ञातीर्थ में मंगल कलश स्थापना

निवाई. कंचन केसरी

श्री दिगंबर जैन सहस्त्रकूट विज्ञातीर्थ में गणाचार्य 108 श्री विरागसागर जी महामुनिराज की सुयोग्य शिष्या भारत गौरव गणिनी आर्यिका रत्न 105 विज्ञाश्री माताजी ससंघ के 29 वें साधनामय पावन चातुर्मास 2023 के दौरान श्री जिनबिम्ब एवं कलश स्थापना महोत्सव का शुभारंभ बड़े ही हर्षोल्लास पूर्वक हुआ। कार्यक्रम में जैन-गजट संवाददाता राजाबाबु गोधा ने शिरकत करते हुए बताया कि राजकुमार मालपुरा वालों ने ध्वजारोहण करके कार्यक्रम का शुभारंभ किया साथ ही नवदेवता के रूप में 9 ध्वजायें फहराई गई। तत्पश्चात सहस्त्रकूंट विज्ञातीर्थ में व्रती आश्रम का उद्घाटन करने का सौभाग्य भागचंद गुहाटी वालों ने प्राप्त किया। कार्यक्रम में टोंक जिला प्रमुख सरोज बंसल के साथ परम संरक्षक नरेश जैन बनेठा ने वृक्षारोपण करके वातावरण को शुद्ध किया। दोपहर 12:30 बजे से मंगलाचरण , दीप प्रज्ज्वलन , चित्र अनावरण एवं नृत्यमय मंगलाचरण का शुभ आयोजन हुआ। पावन चातुर्मास का प्रथम परमेष्ठी कलश स्थापित करने का सौभाग्य लोकेश कुमार कोटा वालों को प्राप्त हुआ। द्वितीय तीर्थंकर कलश स्थापित करने का सौभाग्य पदमचंद जयपुर वालों को प्राप्त हुआ। तृतीय नवदेवता कलश स्थापित करने का सौभाग्य नरेन्द्र कुमार मालपुरा वालों को प्राप्त हुआ। इसके साथ ही अन्य भक्तगणों ने भी अपने-अपने इच्छा अनुसार कलशों की स्थापना करवाकर सौभाग्य प्राप्त किया। संघस्थ बालब्रह्मचारिणी रुचि दीदी ने अवगत कराया कि 135 दिन के चातुर्मास के अनुसार 135 कलशों की स्थापना की गई। कार्यक्रम में गुरु मां के पाद प्रक्षालन, शास्त्र भेंट, वस्त्र भेंट आदि अन्य कई कार्यक्रम हुए कार्यक्रम में पाद प्रक्षालन करने का सौभाग्य सुशील आरा मशीन वालों ने प्राप्त किया, तत्पश्चात गुरू मां की पूजन बड़े ही भक्ति - भावों के साथ की गई। पूज्य माताजी ने अपने उद्बोधन में गुरु गुणगान करते हुए सभी को आशीर्वाद दिया और कहा कि 1000 मंदिर बनाने का जितना फल है उतना एक तीर्थक्षेत्र को बनाने का फल है हजारों की संख्या में उपस्थित हुए भक्तगणों की तालियों से सभा भवन गुंजायमान हो उठा। गोधा ने अवगत कराया कि कार्यक्रम में टोंक जिला प्रमुख सरोज बंसल, निवाई शहर के विधायक प्रशांत बैरवा, समाजसेवी महावीर पराना, छोटा गिरनार बापू गांव के संरक्षक अनिल कुमार पांड्या, अध्यक्ष प्रकाश बाकलीवाल, जैन युवा महासभा के प्रदेश अध्यक्ष प्रदीप लाला, संतोष कासलीवाल फागी, धर्म जागृति संस्थान के वरिष्ठ उपाध्यक्ष राजीव लाखना, झोटवाड़ा जैन मंदिर के अध्यक्ष धीरज पाटनी, निर्मल पांड्या, जैन गजट के राष्ट्रीय संवाददाता शेखर पाटनी, विष्णु बोहरा निवाई, नरेश जैन बनेठा, विनीत चांदवाड, जितेन्द्र गंगवाल, भागचंद पाटनी, जयपुर, प्रेमचंद भंवसा सांगानेर, अग्रवाल समाज फागी के अध्यक्ष महावीर झंडा, एडवोकेट विनोद जैन चकवाड़ा, राकेश चपलमन कोटा,मुनि भक्त दीपक पहाड़िया, तथा जयपुर, सांगानेर, रेनवाल,फागी, मोजमाबाद, मदनगंज किशनगढ़, अजमेर, मालपुरा, निवाई, कोटा, बूंदी, देवली सहित समस्त भारतवर्ष से श्रृदालुओं ने कार्यक्रम में सहभागिता निभाते हुए उपस्थित दर्ज कराई और सभी ने आर्यिका श्री से मंगलमय आशीर्वाद प्राप्त किया।

दो दिवसीय जिला स्थापना दिवस पर किया वृक्षारोपण

रावतसर. शाबाश इंडिया। जिला हनुमानगढ़ स्थापना दिवस के तहत दो दिवसीय कार्यक्रम के प्रथम दिवस पर सभी उपखण्ड स्तरीय कार्यालयों में सफाई अभियान चलाकर सुबह सभी आफिस में सफाई की गई, जिसके तहत रा.उ.मा.वि. रावतसर के खेल मैदान एवं विद्यालय परिसर के सफाई की गई और इसके पश्चात स्वीप कार्यक्रम के तहत रंगोली प्रतियोगिता एवं निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इसके पश्चात विद्यालय में उपस्थित अतिथियों द्वारा पौधरोपण किया गया। इसके पश्चात विद्यालय के स्काउट एवं एनएसएस के विद्यार्थियों द्वारा पर्यावरण संरक्षण हेतु प्लास्टिक प्रतिबंध जागरूकता अभियान के लिए रैली का आयोजन किया गया जो मुख्य मार्ग से होते हुए विद्यालय के खेल मैदान पर सम्पन्न हुई। इस अवसर पर तहसीलदार रावतसर, नवीन कुमार, एसीबीओ मुकेश कुमार, इओ नगरपालिका पवन चौधरी, यूसीईईओ एवं नोडल प्रधानाचार्य सत्यदेव राठौड़, प्रमोद स्वामी, राजीव कुमार गोदारा व.शा. शिक्षक, सुरेश कुमार एनएसएस प्रभारी सहित नगरपालिका और शिक्षा विभाग के कर्मचारी उपस्थित रहे।

मुक्तानंद नगर विकास समिति द्वारा आयोजित दर्द निवारण चिकित्सा शिविर एवं वरिष्ठ नागरिक सम्मान समारोह

जयपुर. शाबाश इंडिया

मुक्तानंद नगर विकास समिति द्वारा आयोजित निःशुल्क दर्द निवारण चिकित्सा शिविर एवं वरिष्ठ नागरिक सम्मान समारोह भारी हर्षोल्लास के साथ संपन्न हुआ अध्यक्ष सुरेंद्र शर्मा ने बताया कि उसमें दर्द निवारण चिकित्सा में प्रसिद्ध हार्ड बैद जान भाटिया के हाथों 200 से अधिक लोगों ने उपचार प्राप्त कर राहत महसूस की। साथ ही अश्विनी शर्मा के सौजन्य से आयोजित रहेगी स्पर्श पद्धति उपचार शिविर में रेकी मास्टर पद्मा खेतान व अन्य से लगभग डेढ़ सौ लोगों ने जानकारी व उपचार प्राप्त किया। समारोह की मुख्य अतिथि अध्यक्ष राजस्थान राज्य समाज कल्याण बोर्ड श्रीमती डॉ अर्चना शर्मा द्वारा चिकित्सा शिविर का उद्घाटन करने के पश्चात 75 वर्ष से ऊपर वरिष्ठ नागरिक सम्मान समारोह में पंजीकृत व अन्य मिलाकर कुल 55 सदस्यों का विशेष सम्मान किया गया, उन्होंने कहा समाज की धरोहर हमारे बुजुर्गों जो हमारे देश का अभिमान है, वरिष्ठ नागरिक सम्मान के पात्र सदस्यों को मेडल पहनाकर स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया। समारोह के संयोजक राजमल जैन व माणकचंद बड़जात्या समारोह में वरिष्ठ उपाध्यक्ष विनोद पाटनी ने बताया कि समारोह में राजेंद्र शर्मा, मुकेश जयसवाल, नवरत्न शर्मा, पवन कुमार गुप्ता, राजेश शर्मा, वेद प्रकाश दाधीच, पवन खंडेलवाल, सीता देवी अग्रवाल, ममता जैन, सुमन पाटनी इत्यादि प्रमुख लोग उपस्थित रहे।

महिला मंडल ने चातुर्मास मे रात्रि भोजन के साध्वी प्रितीसुधा से लिए सकल्प...

मनुष्य का बिता हुआ समय दुबारा से लौटकर आने वाला नही है: प्रखर वक्ता डॉ. प्रितीसुधा म.सा.

सुनिल चपलोत. शाबाश इंडिया

भीलवाड़ा। समय बड़ा अमूल्य है। मंगलवार को अहिंसा भवन शास्त्री नगर में साध्वी डॉ. प्रितीसुधा ने श्रध्दालुओं को सम्बोधित करतें हुए कहा कि इंसान का बिता हुआ समय वापस नही आता है। अगर समय रहतें इंसान चेत जाये तो मानव जीवन को सफल बना सकता हैं। चौरासी लाख जीवात्मा के बाद ही मनुष्य को मानव भव प्राप्त होता है। लेकिन मनुष्य भोग विलास और मोह,माया,लोभ में जीवन का सुख समझ रहा है । जबकि वस्तुओं से आत्माको सुख नही मिलने वाला है । यह संसार रेन बसेरे कि तरह है, मनुष्य के जन्म लेते समय ही उसके मृत्यु का समय निरधारित हो जाता है।अगर मनुष्य समय रहते समय को साध ले तो वह अपनी आत्मा को मोक्ष दिला सकता है इस संसार मे मानव को मनुष्य भव दुबारा मिलना कठिन है लेकिन समय का सदउपयोग कर लेगा तो समय की मह्ता को जानकर जीवन का लक्ष्य प्राप्त कर सकता है। महासती उमराव कंवर,विदुषी मधुसुधा, साध्वी संयमसुधा आदि सभी ने कहा कि यह संसार झूठा है सब मोह माया है। मनुष्य का जीवन दुलर्भ और हीरे के सम्मान है इसे यू ही व्यर्थ नही गवायें। क्योंकि बिता हुआ समय दुबारा से लौटकर आने वाला नहीं हैं। इसदौरान श्रावक संघ के अध्यक्ष लक्ष्मण सिंह बाबेल,अशोक पौखरना, हेमन्त आंचलिया,सुशील चपलोत महामंत्री रिखब चंद पीपाड़ा,संदीप छाजेड़ आदि पदाधिकारियों की चंदनबाला महिला मंडल की अध्यक्षा नीता बाबेल मंत्री रजनी सिंघवी और पूर्वसभापति मंजू पोखरना और महिला मंडल की सभी बहनों की साध्वी प्रितीसुधा के सानिध्य में महिला मंडल की सभा रखी गई जिसमे साध्वी मंडल की प्रेरणा पर पंचरंगी और उपवास आंयबिल करने लिए प्रोत्साहित करते हुए सभी को चातुर्मास में रात्रि भोजन के को सभी प्रत्याख्यान दिलवाये।

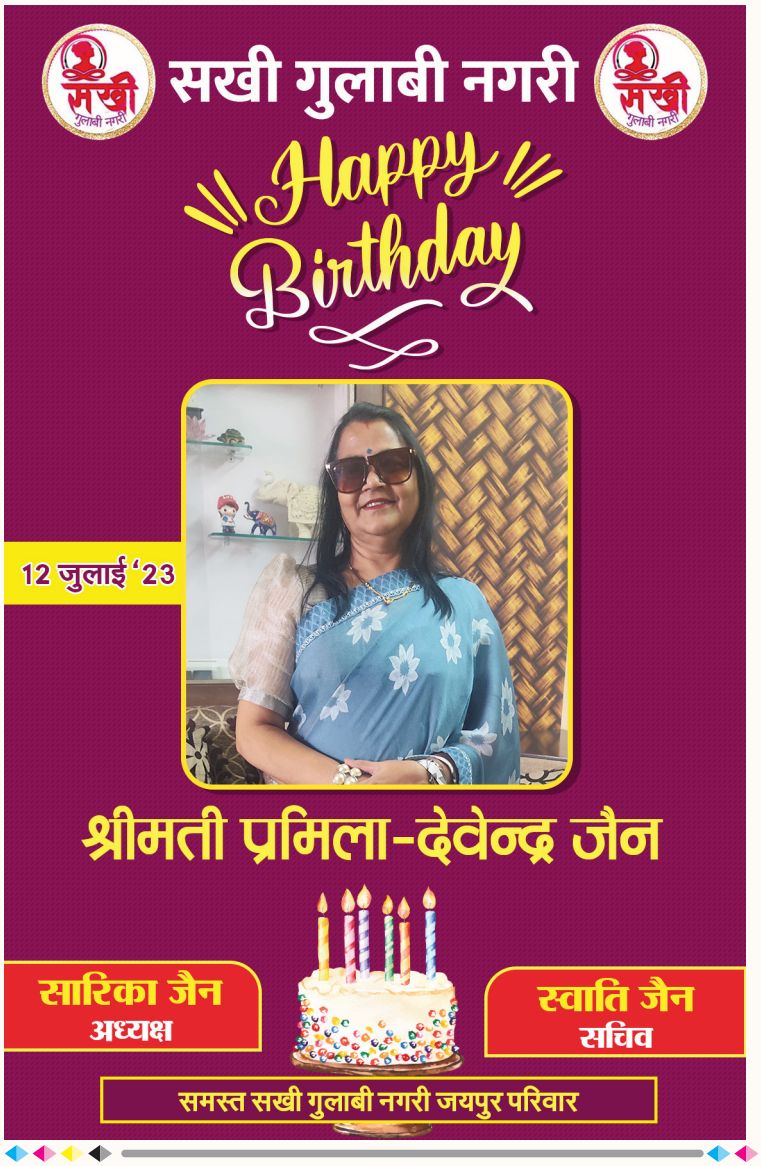

राज लिप्सा नहीं छोड़ने पर जाएंगे नरक में, राजा प्रजा का पोषण की बजाय कर रहे शोषण : इन्दुप्रभाजी म.सा.

हमारे पाप और पुण्य ही साथ जाएंगे बाकी सब यही रह जाएंगे: डॉ. दर्शनप्रभाजी म.सा.

रूप रजत विहार में नियमित चातुर्मासिक प्रवचनमाला

सुनील पाटनी. शाबाश इंडिया

भीलवाड़ा। राजा का प्रथम कर्तव्य प्रजा की रक्षा व देखभाल करना होता है। उनके लिए देश सर्वोच्च होना चाहिए। पहले राजा प्रजापालक होते थे ओर प्रजा को पुत्र समान मानते हुए देखभाल करते थे लेकिन समय बदला ओर अब राजा द्वारा प्रजा का शोषण किया जाता है। पहले भामाशाह जैसे मंत्री होते थे लेकिन अब राजा से लेकर मंत्री तक सभी शोषण करते है। राक्षसी प्रवृति बढ़ने से अब प्रजा को फायदा देने के बजाय सताने का कार्य अधिक होता है। प्रजा का पोषण करने की बजाय खाने की भावना अधिक रहती है। ये विचार शहर के चन्द्रशेखर आजादनगर स्थित स्थानक रूप रजत विहार में मंगलवार को नियमित चातुर्मासिक प्रवचनमाला में मरूधरा मणि महासाध्वी श्रीजैनमतिजी म.सा. की सुशिष्या मरूधरा ज्योति महासाध्वी इन्दुप्रभाजी म.सा. ने जैन रामायण के तहत राजा के गुणों के बारे में चर्चा करते हुए व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि जो राजा राजलिप्सा में लिप्त होता है वह नरक में ओर जो छोड़ता है वह मोक्ष में जाता है। आगमों में ऐसे कई राजाओं के उदाहरण है। राजा को भी समय आने पर राज लिप्सा छोड़ देनी चाहिए। जो सैनिक राष्ट्र रक्षा के लिए तैनात रहते है वह भी उनका धर्म है। उन्होंने रामायण का वर्णन करते हुए कहा कि दसवें तीर्थंकर शीतलनाथजी के समय कीर्तिधवल नामक प्रजापालक राजा का राज्य लंका में था। साध्वीश्री ने जिनवाणी का महत्व बताते हुए कहा कि इसे श्रवण करने से आदि,व्याधि, उपाधि मिटकर समाधि की ओर प्रस्थान करते है। जिनवाणी सुनने से यह भव ओर परभव दोनों सुधर जाएंगे। धर्मसभा में मधुर व्याख्यानी डॉ. दर्शनप्रभाजी म.सा. ने कहा कि जिनवाणी कहे या आगमवाणी कुछ भी नाम दे लेकिन इससे महान कोई दूसरी वाणी नहीं है। समय कभी किसी का इन्तजार नहीं करता इसलिए जिनवाणी श्रवण का ये अवसर भी दुबारा नहीं आएंगा। जो अभी किसी कारण नहीं आ रहे उन्हें भी इससे जोड़ने का प्रयास करें। उन्होंने कहा कि आगम में हर समस्या का समाधान है और आगम के दर्शन करने से भी पुण्यार्जन होता है। उन्होंने कहा कि हमारे पाप और पुण्य ही साथ जाएंगे बाकी सब यही रह जाएंगे। ऐसे में हमारे कर्म ऐसे है जो पाप को खत्म कर पुण्य को बढ़ाए। मेरा है जो मेरा ओर तेरा है जो भी मेरा ऐसी बात करने वाले दुर्योधन के समान राक्षसी कर्म करने वाले होते है जिसका नाम भी आज कोई नहीं रखना चाहता। साध्वीश्री ने कहा कि जिसका धर्म सहायक होता है उसका कोई बाल भी बांका नहीं कर सकता ओर जीरो से हीरो हो जाता ओर जो पाप करते है वह जीरो हो जाते है। हमेशा किसी पर दोषारोपण करने की बजाय भाव शुद्ध रखने चाहिए। भाव श्रेष्ठ होने पर केवल ज्ञान की प्राप्ति भी हो सकती है।

घर आए संतों का दर्शन नहीं करने पर पाप कर्म का उदय

तत्वचिंतिका डॉ. समीक्षाप्रभाजी म.सा. ने सुखविपाक सूत्र का वाचन करते हुए बताया कि किस तरह सुबाहुकुमार का 500 कन्याओं के साथ विवाह होता है। विवाह के कुछ समय बाद ही उनके नगर में भगवान महावीर का आगमन होता है तो सुबाहुकुमार उनके दर्शन के लिए पहुंच जाता है। उन्होंने कहा कि पापी आत्मा को धर्म नहीं सुहाता। घर में आए संत के जो दर्शन नहीं करते उनके पाप कर्म का उदय हो जाता है। जब तक पाप का उदय रहता है लाख कोशिश कर ले धर्मज्ञान नहीं कर सकते। जिनवाणी सुनने से पाप कर्मों का क्षय होता है। आदर्श सेवाभावी दीप्तिप्रभाजी म.सा. ने गीत ह्यमैं गुरूणी के चरणों की धूलह्ण प्रस्तुत किया। धर्मसभा में आगममर्मज्ञ चेतनाश्रीजी म.सा.,एवं नवदीक्षिता हिरलप्रभाजी म.सा. का भी सानिध्य मिला। धर्मसभा का संचालन श्रीसंघ के मंत्री सुरेन्द्र चौरड़िया ने किया। चातुर्मासिक नियमित प्रवचन प्रतिदिन सुबह 8.45 बजे से 10 बजे तक हों।

सर्वव्याधि निवारक घण्टाकर्ण महावीर स्त्रोत का जाप

रूप रजत विहार में मंगलवार सुबह 8.30 से 9.15 बजे तक सर्वसुखकारी व सर्वव्याधि निवारक घण्टाकर्ण महावीर स्त्रोत जाप का आयोजन किया गया। तत्वचिंतिका डॉ. समीक्षाप्रभाजी म.सा. ने ये जाप सम्पन्न कराया। इसमें बड़ी संख्या में श्रावक-श्राविकाओं ने भाग लेकर सभी तरह के शारीरिक कष्टों के दूर होने एवं सर्वकल्याण की कामना की। चातुर्मासकाल में प्रत्येक मंगलवार को सुबह 8.30 से 9.15 बजे तक इस जाप का आयोजन होगा। महासाध्वी इन्दुप्रभाजी म.सा. आदि ठाणा के सानिध्य में पचरंगी एकासन की आराधना के तहत चार श्राविकाओं ने चार-चार एकासन की तपस्या शुरू की। पांच श्राविकाओं ने पांच-पांच एकासन के प्रत्याख्यान लिए थे। इसी तरह पांच-पांच श्राविकाओं द्वारा तीन,दो एवं एक एकासन किए जाएंगे। इस आराधना के तहत 25 श्राविकाओं द्वारा कुल 75 एकासन होंगे। चातुर्मास में प्रतिदिन उपवास, आयम्बिल व एकासन तप की लड़ी भी चल रही है। श्री अरिहन्त विकास समिति के अध्यक्ष राजेन्द्र सुकलेचा के अनुसार चातुर्मास के तहत प्रतिदिन सूर्योदय के समय प्रार्थना का आयोजन हो रहा है। प्रतिदिन दोपहर 2 से 3 बजे तक नवकार महामंत्र जाप एवं दोपहर 3 से 4 बजे तक साध्वीवृन्द के सानिध्य में धार्मिक चर्चा हो रही है। प्रत्येक रविवार प्रातः 8 से 8.30 बजे तक युवाओं के साथ धमचर्चा, दोपहर 1 से 2 बजे तक बाल संस्कार कक्षा एवं दोपहर 3 से 3.40 बजे तक प्रश्नमंच का आयोजन होगा।

चिंता चिता के समान है ये जीव शहित शरीर को जलाती हैं: आचार्य श्री आर्जव सागर जी

सुभाष गंज में चल रही है धर्म सभा

अशोक नगर. शाबाश इंडिया

चिंता चिता के समान है ये जीव समेत शरीर को जला देती है हमे बे अर्थ की चिंताओ से बचना चाहिए आज घन की सुरक्षा को लेकर व्यक्ति ज्यादा चिंतित हैं एक समय वह था जब घरों में ताला नहीं लगते थे ये वह समय था जब इस देश के शासक सम्राट चन्द्रगुप्त मौर्य उनके गुरु चाणक्य अपना काम करते समय सरकारी तेल से जलनें वाले दीप का भी प्रयोग नहीं करते थे। ये थी भारतीय प्रशासनिक व्यवस्था उक्त आश्य के उद्गार आचार्य श्री आर्जव सागर जी महाराज ने व्यक्त किए।

आज से द्रव्य संग्रह की विशेष क्लाश प्रारंभ होगी: विजय धुर्रा

मध्यप्रदेश महासभा संयोजक विजय धुर्रा ने बताया कि आज से द्रव्य संग्रह की विशेष क्लाश आचार्य श्री आर्जवसागरजी महाराज द्वारा प्रारंभ की जा रही है जो इस विषय में रुचि रखने वाले सभी लाभ लें सकते हैं धर्म सभा के प्रारंभ में आचार्य श्री की पूजन करते का सौभाग्य श्री दिगम्बर जैन युवा वर्ग के साथियों को मिला वहीं चित्र का अनावरण जैन समाज के अध्यक्ष राकेश कासंल, महामंत्री राकेश अमरोद, कोषाध्यक्ष सुनील अखाई, विपिन सिंघई निर्मल मिर्ची, अजित वरोदिया, सौरव वाझल ने किया। वहीं दीप प्रज्जवन जैन युवा वर्ग के संरक्षण विजय धुर्रा, अध्यक्ष सुलभ अखाई, सुभव कासंल, सचिन एन एस, अंकित सन्तूरा सहित युवा वर्ग के साथियों द्वारा किया गया ।

गुरु तो गंगा के पावन जल के समान होते हैं

उन्होंने कहा कि गुरु तो गंगा के समान है मानो तो गंगा मां है ना मानो तो बहता पानी वे हमेशा आप के जीवन की उत्थान की ही तो कामना करते हैं उन्हें आप से कुछ भी नहीं चाहिए बस वे तो इतना चाहते हैं कि आपको मानव जीवन मिला है इससे एक कदम तो आप आगे बढ़ सकें जिसके पास जितनी परिग्रह होगा उसका संसार उतना ही दीर्घ मानकर चलना और वह संसार में उतने ही परेशान होते हैं। उनकी शान्ति भंग हो जाती है धन की चिंता में व्यक्ति अपनी जिंदगी की सुख सुविधा ही भूल जाते हैं धन की चाह में जीवन विगड रहा है धन की प्राप्ति भी धर्म से होगी धर्म से पुण्य की प्राप्ति होगी पुण्य के योग से धन दौलत अपने आप आतीं चलीं जाती है।

संसार से बचने के लिए राग द्वेष छोड़ना पड़ेगा

उन्होंने कहा कि अनाधिकाल से ये संसार का संबध चल रहा है इससे बचने के लिए राग द्वेष छोड़ना पड़ेगा इसलिए हमारे साधु पर पदार्थ को छोड़ सब कुछ सहते हुए इसको उतना ही देते हैं जितना आवश्यक है हम उतना ही देते हैं जितनी आवश्यकता है फिर देखें आप भी आगे बढ़ना प्रारंभ हो जाएगा सभा का संचालन जैन युवा वर्ग के संरक्षण शैलेन्द्र श्रागर ने किया।

दुनिया में प्रेम का अवतार थी राधा, राधे-राधे जपने से मिल सकता मोक्ष : शास्त्री

रामद्वारा धाम में चातुर्मासिक सत्संग प्रवचनमाला

सुनील पाटनी. भीलवाड़ा। भगवान कृष्ण प्रेमास्पद का अवतार थे तो राधा प्रेम का अवतार थी। द्वापर युग के अंत में वृन्दावन की धरती बरसाना में राधाजी का अवतार हुआ था। वह भगवान कृष्ण की पराशक्ति व आदिशक्ति थी। राधा प्रेम का अवतार होने से आज भी भक्त लोग प्रेम भाव से राधे-राधे करके चिंतन करते है ओर मोक्ष के अधिकारी बनते है। ये विचार अन्तरराष्ट्रीय श्री रामस्नेही सम्प्रदाय शाहपुरा के अधीन शहर के माणिक्यनगर स्थित रामद्वारा धाम में वरिष्ठ संत डॉ. पंडित रामस्वरूपजी शास्त्री (सोजत सिटी वाले) ने सोमवार को चातुर्मासिक सत्संग प्रवचनमाला के तहत व्यक्त किए। सत्संग में डॉ. पंडित रामस्वरूपजी शास्त्री ने गर्ग संहिता की चर्चा करते हुए उन तीनों महान शक्तियों मेनका, रत्नमाला व कलावती के बारे में बताया जिन्होंने तीनों ही देवियों को इस संसार में प्रकट किया था। मेनका के द्वारा पार्वती का जन्म हुआ जो भगवान शिव की अर्धांगिनी बनी, रत्नमाला का विवाह विदेहराज जनक के साथ होने पर वह देवी सीता की माता कहलाई जिनका विवाह अयोध्या के रधुवंश भूषण श्रीराम के साथ हुआ। इसी तरह कान्यकुब्ज के राजा भलंध के यहां यज्ञ से प्रकट कलावती जो कीर्ति नाम से प्रसिद्ध हुई उनके राधाजी का अवतार हुआ था। शास्त्रीजी ने कहा कि राधा-कृष्ण का प्रेम सच्चा प्रेम था जिसकी मिसाल आज भी संसार में दी जाती है। ये प्रेम आत्मा से जुड़ा हुआ था ओर इसमें किसी तरह का दोष नहीं था। राधा-कृष्ण की रासलीला आज भी हम स्मरण करते है ओर कहीं भी प्रेम की चर्चा होती है तो राधा-कृष्ण का नाम अवश्य आता है। सत्संग के दौरान मंच पर रामस्नेही संत श्री बोलतारामजी एवं संत चेतरामजी का भी सानिध्य प्राप्त हुआ।चातुर्मास के तहत प्रतिदिन भक्ति से ओतप्रोत विभिन्न आयोजन हो रहे है। प्रतिदिन सुबह 9 से 10.15 बजे तक संतो के प्रवचन व राम नाम उच्चारण हो रहा है। चातुर्मास के तहत प्रतिदिन प्रातः 5 से 6.15 बजे तक राम ध्वनि, सुबह 8 से 9 बजे तक वाणीजी पाठ, शाम को सूर्यास्त के समय संध्या आरती का आयोजन हो रहा है।

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com
weeklyshabaas@gmail.com